

मदारी का 'जमूरा' बनाने के लिए बच्चों का अपहरण करने वाली गैंग गिरफ्तार

जी.आर.पी. पुलिस ने खानाबदोश परिवार के 5 लोगों को गिरफ्तार किया

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर । राजकीय रेलवे पुलिस (जी.आर.पी.) और जयपुर पुलिस की टीम ने मंगलवार को एक ऐसे खानाबदोश परिवार को धरदबोचा, जो बच्चों का अपहरण करता था। इस परिवार से पुलिस ने दो बच्चों को दस्तावेज किया है। इनमें एक बच्चा 10 दिन पहले कोटा रेलवे स्टेशन से अपहरण किया गया था। जबकि दूसरे बच्चे का 10 वर्ष पहले गंगापुरसिटी रेलवे स्टेशन से अपहरण हुआ था।

- इस गैंग ने 10 दिन पहले कोटा रेलवे स्टेशन से 4 वर्षीय बच्चे का अपहरण किया था, जबकि दूसरे बच्चे को 10 साल पहले गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन से उठाया था
- पुलिस ने आशंका जताई है कि यह बदमाश, बच्चों को दवाइयां देकर उसकी दिमागी हालत कमजोर करते हैं, फिर तमाशों के लिए उसका जानवरों की तरह इस्तेमाल करते हैं

एडीजी अनिल पालीवाल ने बताया कि पृष्ठताछ में आरोपी परिवार ने बताया कि पहले उनका मूल काम मदारी का था और जानवरों पर प्रतिक्रिया लाने के बाद वह बच्चों को जमूरा (करतब दिखाने)

मास्टर माइंड मुकेश मदारी है। वह परिवार के साथ किशनगढ़ (अजमेर) में एक शादी समारोह में परिवार के साथ बर्तन साफ करने के लिए गया था। वहां से 5 मई की सुबह 11 बजे अपना मोबाइल मां लज्जो को देकर चमड़ा घर से एक बाइक चोरी कर भाई करण के साथ शाम तक कोटा पहुंच गया। कोटा रेलवे स्टेशन पर बच्चे के पिता उसे अकेले बैठाकर टिकट लेने चले गए, तभी आरोपी बच्चे को उठाकर ले गए। जीआरपी कोटा के वृत्ताधिकारी चांदमल के नेतृत्व में 5 टीमों बनाई गईं। बच्चे की तलाश में 280 किलोमीटर क्षेत्र में 470 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। तब जाकर अपहरणकर्ताओं का सुराग लगा और

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी मुकेश बच्चे को पहले भोपाल में अपने ससुराल ले गया, लेकिन ससुराल वालों ने अपहृत बच्चे को रखने से मना कर दिया, तब वह भोपाल से ट्रेन में जयपुर पहुंचा था। एस.पी. जोशी ने बताया कि आरोपियों से 10 वर्ष पहले अपहृत बच्चे का उसके परिवार से डीएनए करवाया जाएगा। इसके बाद बच्चा उनके सुपुर्द किया जाएगा। वह बच्चा मंदबुद्धि है। आशंका है कि अपहरण करने के बाद बच्चे की दिमागी हालत कमजोर करने के लिए उसे दवाइयां दी गई है। यह भी आशंका है कि गैंग बच्चों से चोरी करवाने का काम करती है। पुलिस उनसे और पृष्ठताछ कर रही है।

नई शिक्षा नीति को सभी विश्वविद्यालयों में पूरी तरह से लागू किया जाएगा : मिश्र



राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में कुलपति समन्वय समिति की बैठक को संबोधित किया।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में राजगारो-मुखी कौशल विकास समावेशी कार्यक्रम लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थानीय उद्योगों एवं विश्वविद्यालय सहभागिता से राजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालयों में शोध एवं अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सभी विश्वविद्यालयों में पूरी तरह से लागू किया जाए।

मिश्र मंगलवार को राजभवन में कुलपति समन्वय समिति की बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, मुख्य सचिव सुधांशु पंत, चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधा सिंह, सामाजिक न्याय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों ने भाग लिया। राज्यपाल ने बैठक में कहा कि विश्वविद्यालयों में बायोमेट्रिक/मोबाइल एप आधारित उपस्थिति की व्यवस्था 30 मई तक सभी विश्वविद्यालयों में तयतया

में सौर ऊर्जा उपकरण नहीं लगे हैं, वहां 30 जून तक कार्यवाही किए जाने के भी राज्यपाल ने निर्देश दिए।

सरसों की पंजीयन सीमा 120 प्रतिशत

जयपुर । प्रबन्ध निदेशक, राजफेड नारायण सिंह ने बताया कि राज्य में समर्थन मूल्य पर सरसों की खरीद के लिए कृषक पंजीयन की सीमा को पूर्व में 100 प्रतिशत तक निर्धारित थी, को बढ़ाकर 120 प्रतिशत तक किया गया है।

इस निर्णय से सरसों के लिए राज्य के 231 केंद्रों पर 30127 किसानों की अतिरिक्त लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि 14 मई तक 1 लाख 22 हजार 454 किसानों से 2.61 लाख मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। जिसकी राशि 147.5 करोड़ रुपये है। राज्य के खरीद से अधिक किसान ई-मित्र या खरीद केन्द्र पर जाकर पंजीयन कराये ताकि समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके। वहीं हुई पंजीयन सीमा के लिए किसान 15 मई से पंजीयन करा सकते हैं। भारत सरकार द्वारा सरसों खरीद हेतु 14,61,028 मीट्रिक टन एवं चना खरीद 4,52,365 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य रखा है।

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित हृदयांश को 17.50 करोड़ का इंजेक्शन लगाया

अमेरिका से जयपुर के जे.के. लोन हॉस्पिटल लाया गया इंजेक्शन

जयपुर। राजधानी के जेके लोन हॉस्पिटल में मंगलवार को 23 महीने के हृदयांश को अमेरिका से मंगवाया गया साढ़े सत्रह करोड़ रुपए का जोल गेनेस्मा इंजेक्शन लगाया गया। अस्पताल में रेयर डिजीज यूनिट के ईचार्ज डॉक्टर प्रियांशु माथुर और उनकी टीम ने यह इंजेक्शन लगाया।

- जन्म के 6 महीने बाद से ही हृदयांश स्पाइनल मस्क्युलर एट्रोफी (एसएमए) बीमारी से पीड़ित था
- इंजेक्शन लगाने के बाद बच्चे को 24 घंटे के लिये डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया, वहीं दो महीने तक उसकी दूसरी दवाइयां चलेगी।
- पुलिस महानिदेशक यू आर साहू और भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने इंजेक्शन के लिए राशि जुटाने में पूरे पुलिस परिवार से सहयोग की अपील की थी।

के लोगों ने किसी सहारे से खड़ा करने की कोशिश की तो वह खड़ा नहीं हो पाया था। इसके बाद बीमारी का पता चला था। उसके पिता पिता जयपुर में रहकर इलाज करवा रहे थे।

पुलिस महानिदेशक यू आर साहू ने इंजेक्शन के लिए राशि जुटाने में पूरे पुलिस परिवार से सहयोग की अपील की थी। वहीं भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने भी राशि जुटाने के लिए पूरे प्रयास किए।

सहयोग के लिये आभार जताया

इंजेक्शन लगाने के बाद डॉक्टर प्रियांशु माथुर ने बताया कि इस बीमारी के कारण मसल्स में कमजोरी आने लगती है। बच्चे को चलने-फिरने में परेशानी होती है। सांस रुकने की भी संभावना रहती है। पहले भी दो बच्चों को थैरेपी दे चुके हैं। अब बच्चे को 24 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखेंगे।

भरतपुर सांसद रंजीता कोली ने पूरे मामले को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को आर्थिक सहायता देने के लिए पत्र लिखा था। वहीं, राजस्थान सरकार में मंत्री जवाहर सिंह बेडम ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर इंजेक्शन उपलब्ध करवाने के लिए कहा था। बयाना विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने अपने विधायक कोष से हृदयांश के परिजनों को 21 लाख रुपए देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा था।

बच्चे के नाना नरेश कुंजबज ने इस मुहिम में सभी का सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने भी बेटा समझकर हृदयांश की मदद की। उन्होंने कहा कि अब बच्चे के स्वस्थ होने की दुआ करें।

क्रिकेटर सरफराज व चाहर जुड़े थे मुहिम से

इस बीमारी की वजह से हृदयांश घुटनों के बल चल भी नहीं पा रहा था। परिवार को पता चला कि 17.50 करोड़ के इंजेक्शन से बेटे का इलाज हो सकता है, लेकिन इतने पैसे नहीं थे। इंजेक्शन खरीदने के लिए सोशल मीडिया पर मुहिम चलाई गई। भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर और सरफराज खान ने भी हृदयांश की जान

स्वेच्छा से अनुपस्थित चल रहे कार्मिकों फर होगी कार्रवाई

जयपुर। प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में स्वेच्छा से अनुपस्थित चल रहे कार्मिकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभा सिंह ने बिना सूचना के लम्बे समय से अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुये ऐसे कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिये हैं। सिंह के निर्देशों के बाद निदेशक राकेश कुमार शर्मा ने समस्त राजकीय मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं निर्यंत्रकों, सहित सभी निर्यंत्रण अधिकारियों को पत्र लिखकर ऐसे कार्मिकों की सूचना मांगी है।

तीन शातिर ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

जयपुर । जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने चौमूं, विधायकपुरी एवं प्रतापनगर इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक, गांजा और अफीम की तस्करी करने वाले तीन सत्यावरों यशवीर सिंह (44) निवासी, जमीन मेरठ (उत्तरप्रदेश) हाल चौमूं, कमलेश गुजर (23) निवासी कोतवाली चितौड़गढ़ और हंसराज (29) निवासी टोडारारसिंह टोंक को गिरफ्तार किया है।

फर्जी एन.ओ.सी. से ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले की जांच के लिए एस.आई.टी.गठित

सरकार के आदेश पर बनाई 8 सदस्यों की टीम, जयपुर पुलिस कमिश्नर करेंगे मॉनिटरिंग

जयपुर। फर्जी एनओसी से ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने एसआईटी गठन करने के आदेश दिए थे। इस पर जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने एसआईटी का गठन कर दिया है। ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में दर्ज तीनों एफआईआर की जांच एसआईटी करेगी। एसआईटी में 8 पुलिस अधिकारी और कांस्टेबल को शामिल किया गया है। एसआईटी की जांच की मॉनिटरिंग जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ करेंगे।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में हर दिन नए जानकारी टीम के पास आ रही है। इस पर पुलिस टीम के द्वारा काम किया जा रहा है। इस मामले की गम्भीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन कर दिया गया है, जिसमें जिम्मेदार पुलिस अधिकारी रहेंगे, जो पहले दिन से इस केस पर काम भी कर रहे हैं। एसआईटी में एसीपी गांधी नगर गोपाल सिंह ढाका और एसीपी पुलिस लाइन हेमराज मुंड, 2 पुलिस निरीक्षक हवा सिंह मंगला और भवानी सिंह, 2 एसआईटी मूल सिंह और धर्मेश कुमार के साथ-साथ 2 कांस्टेबल चैन सिंह और सुभाष चंद्र रहेंगे। इस केस की मॉनिटरिंग जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ करेंगे।

गुप्ता को पुलिस ने रिवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को 15 मई तक पुलिस रिमांड पर भेजा था। गिरफ्तार डॉक्टर जितेंद्र गोस्वामी से हुई पृष्ठताछ में कई चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। सामने आया है कि जितेंद्र गोस्वामी एसएमए अस्पताल के एएओ गौरव सिंह से डायरेक्ट संपर्क में था। जब तक वह मणिपाल हॉस्पिटल में रहा, उसने वहां पर कई ट्रांसप्लांट किए थे। आरोपी ने जब फोर्टिस अस्पताल जाईन किया तो भी गौरव के संपर्क में रहा और हॉस्पिटल के कई स्टाफ को अपने साथ मिला चुका था। जानकार सूत्रों की माने तो पुलिस जल्द ही फोर्टिस, ईचसीसी और मणिपाल हॉस्पिटल प्रशासन को पृष्ठताछ के लिए बुला सकता है।

पर्यावरण स्वीकृतियां जारी कराने में संबंधित विभाग फेसिलिलेटर की भूमिका निभाएं : पंत

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने कहा है कि जिला स्तरीय समिति से पर्यावरण स्वीकृतियां प्राप्त खानधारकों को राज्य स्तरीय समिति सीमा से पर्यावरण स्वीकृतियां जारी कराने में संबंधित विभागों को फेसिलिलेटर की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने माईंस, पर्यावरण, राज्य स्तरीय एंवायरमेंट इंपेक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी, डिया से पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त खान व बवारी लाइसेंस धारकों से परस्पर सहयोग व समन्वय से तय समय सीमा में पर्यावरण स्वीकृतियां जारी कराने की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने को कहा है।



मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने मंगलवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

मुख्य सचिव सुधांशु पंत मंगलवार को सचिवालय में माईंस, पर्यावरण, सीमा और सेक के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय समिति से पर्यावरण स्वीकृतियां प्राप्त करीब 24 हजार 5 हेक्टेयर तक की लीज व बवारी लाइसेंस वाली खानों के आवश्यक दस्तावेज परिवेश पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं। सीमा द्वारा करीब 12 हजार आवेदनों की स्कूटनिंग का काम भी कर लिया गया है। अब शेष रहे आवेदनों की स्कूटनिंग के काम में तेजी लाने के साथ ही स्कूटनिंग हो चुके आवेदनों के खान धारकों द्वारा फार्म दो

का परिवेश पोर्टल पर अपलोड किया जाना है। स्कूटनिंग वाली खानों के खानधारक स्वयं या माईंस विभाग के अधिकारियों से समन्वय बनाते हुए अधिकांश फार्म 2 अपलोड करके तालिका स्तरीय अथॉरिटी द्वारा पर्यावरण स्वीकृतियां जारी हो सके। उन्होंने छोटी मोटी कमियों को पूरा कराने के लिए

अनावश्यक पत्राचार के स्थान पर औपचारिकताओं को सीधे संबंधित से पूरी करने की आवश्यकता प्रतिपादित की। मुख्य सचिव पंत ने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा डिस्ट्रिक्ट लेवल एंवायरमेंट इंपेक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी द्वारा जारी पर्यावरण स्वीकृति वाले खानधारकों को राज्य

माईंस विभाग द्वारा राज्य स्तर पर ऑर्डिनेशन की दो अधिकारियों को जिम्मेदारी

हजार खानों के दस्तावेज परिवेश पोर्टल पर अपलोड कर पूरी करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि माईंस प्रदेश की महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि से जुड़ा विभाग है और इसमें लाञ्छों लोग प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से राजगार प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे में माईंस गतिविधियां निर्बाध जारी रखने के लिए समय पर औपचारिकताएं पूरी कराकर राज्य स्तरीय पर्यावरण स्वीकृतियां जारी कराना जरूरी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव वन व पर्यावरण अर्पण अरोड़ा ने बताया कि माईंस व पर्यावरण विभाग द्वारा परस्पर सहयोग से प्रार्थनिकता से स्कूटनिंग कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीमा द्वारा 12 हजार आवेदनों को वैलिडेटेड कर लिया गया है और संबंधित खान धारकों को परिवेश पोर्टल पर फार्म 2 अपलोड करने को कहा गया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विभाग द्वारा सहयोगी की भूमिका निभाते हुए वैलिडेशन का कार्य किया जा रहा है।

भट्टा बस्ती इलाके में सोमवार देर रात की घटना

के इलाके की पुलिस मौके पर पहुंची और कुछ लोगों को डिटेन किया गया। दो समुदाय के युवकों के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। लोकर मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शिवाजी नगर इलाके में दो पक्षों के बीच रात करीब 10.30 बजे पथराव की सूचना मिली। इस पर थाना पुलिस और आपास

नाबालिग ने मजाक-मजाक में युवक की गुदा में हवा भरी, इलाज के दौरान मौत

जयपुर (कासं)। राजधानी के विश्वकर्मा थाना इलाके में एक नाबालिग द्वारा की गई मजाक युवक की जान पर भी पड़ गई। फैक्ट्री में काम करने के दौरान एक नाबालिग ने युवक की गुदा में हवा भर दी। इससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी नाबालिग मौके से भाग निकला। पुलिस ने बताया कि आरोपी का भाई संतोष फैक्ट्री में काम करता था। आरोपी उससे मिलने ही जयपुर आया था। मृतक और आरोपी का भाई फैक्ट्री में ही रहकर काम करते हैं। आरोपी ने रिवार को हंसी-मजाक करते हुए नितिश की गुदा में हाई प्रेशर पाइप से हवा भर दी। इससे उसकी तबीयत खराब हो गई। तबीयत खराब होने पर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर सोमवार को मौत हो गई। मंगलवार को हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की धरपकड़ के प्रयास किए जा रहे हैं।

आपसी विवाद के चलते दो पक्षों में पथराव, तीन घायल

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना इलाके में आपसी विवाद के चलते सोमवार देर रात दो पक्षों में जमकर पथराव हुआ। इसमें तीन लोग घायल हो गए। पथराव के कारण कॉलोनी में खड़ी गाड़ियों के शीशे टूट गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शिवाजी नगर इलाके में दो पक्षों के बीच रात करीब 10.30 बजे पथराव की सूचना मिली। इस पर थाना पुलिस और आपास

नाबालिग ने मजाक-मजाक में युवक की गुदा में हवा भरी, इलाज के दौरान मौत

जयपुर (कासं)। राजधानी के विश्वकर्मा थाना इलाके में एक नाबालिग द्वारा की गई मजाक युवक की जान पर भी पड़ गई। फैक्ट्री में काम करने के दौरान एक नाबालिग ने युवक की गुदा में हवा भर दी। इससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी नाबालिग मौके से भाग निकला। पुलिस ने बताया कि आरोपी का भाई संतोष फैक्ट्री में काम करता था। आरोपी उससे मिलने ही जयपुर आया था। मृतक और आरोपी का भाई फैक्ट्री में ही रहकर काम करते हैं। आरोपी ने रिवार को हंसी-मजाक करते हुए नितिश की गुदा में हाई प्रेशर पाइप से हवा भर दी। इससे उसकी तबीयत खराब हो गई। तबीयत खराब होने पर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर सोमवार को मौत हो गई। मंगलवार को हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की धरपकड़ के प्रयास किए जा रहे हैं।